

रस-२

दहीत पायां उपखण्ड मूल रात अतिम डिंडी
डिंडी जात है अतः सामे वरत नानिगही
अभिधित वरत है अतः पाथीत पत्र (गोप्य)
दिमा जात है (पत्रावली) के शत पुमा केनी
गत्त ले वरत है (अतः अतः नमनीत जातः)
मूल रात है अतः है



उपखण्ड अधिकारी, सुरजगढ़

